



शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार
MINISTRY OF
EDUCATION
Government of India



काशी तमिल संगमम् 4.0

काशी तमिल संगमम्



Daily Bulletin दैनिक बुलेटिन

Vol. 1, Issue 4 | 5 December 2025



तमिल छात्रों का सारनाथ स्तूप का शैक्षिक दौरा, इतिहास और संस्कृति से हुआ साक्षात्कार



तमिलनाडु से काशी तमिल संगमम् में आए छात्र-छात्राओं के एक दल ने ऐतिहासिक सारनाथ स्तूप एवं संग्रहालय का शैक्षिक दौरा किया। इस भ्रमण का उद्देश्य भारत की प्राचीन बौद्ध विरासत, समृद्ध कला-शिल्प और सांस्कृतिक इतिहास को नजदीक से समझना था।

छात्रों ने सबसे पहले धम्म स्तूप का अवलोकन किया, जहाँ भगवान बुद्ध ने अपना



प्रथम धर्मचक्र प्रवर्तन किया था। छात्रों को स्तूप की स्थापत्य कला, उसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और खुदाई से प्राप्त महत्वपूर्ण अवशेषों की जानकारी मिली।

इसके बाद छात्रों ने सारनाथ संग्रहालय का भ्रमण किया, जहाँ अशोक स्तंभ शीर्ष, बुद्ध प्रतिमाएँ और बौद्ध काल के कई दुर्लभ अवशेषों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

ऐसे दौरों से विभिन्न राज्यों के छात्रों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान बढ़ता है और देश की विरासत के प्रति समझ और सम्मान भी विकसित होता है।



काशी तमिल संगमम् 4.0 में तमिलनाडु से आया दूसरा दल, डमरु- वादन और पुष्पवर्षा से हुआ भव्य स्वागत

काशी तमिल संगमम् 4.0 में दक्षिण भारत से आने वाले आगंतुकों का सिलसिला जारी है। बुधवार की देर रात दूसरा दल विशेष ट्रेन से बनारस रेलवे स्टेशन पहुँचा, जिसमें बड़ी संख्या में अध्यापक शामिल थे। स्टेशन पर उतरते ही मेहमानों का पारंपरिक तरीके से डमरु-वादन, पुष्पवर्षा और 'हर-हर महादेव' तथा 'वणक्कम् काशी' के उद्घोष से भव्य स्वागत किया गया।

स्वागत समारोह में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर मिश्र 'दयालु' तथा वाराणसी के मेयर अशोक तिवारी स्वयं उपस्थित रहे। दोनों ने मेहमानों को काशी की सांस्कृतिक आत्मीयता और तमिल-काशी के ऐतिहासिक संबंधों की जानकारी देते हुए उनका अभिनंदन किया।





माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने काशी तमिल संगमम् 4.0 में सम्मिलित होने का किया आह्वान

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने काशी तमिल संगमम् 4.0 के लिए तमिलनाडु के छात्रों एवं शिक्षक को दिल से आमंत्रित किया है। वे कहते हैं— “यह एक ऐसा संगम है, जहाँ दुनिया की सबसे पुरानी जीवित भाषा दुनिया के सबसे पुराने शहरों में से एक से मिलती है।” इस आयोजन की प्रेरणा देने वाली थीम— तमिल करकलाम के अंतर्गत वह हमें याद दिलाते हैं कि “भाषाएँ सीखना, लोगों से मिलना और साझा विरासत को अपनाना एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत करता है।”

KTS - 4.0- இந்தி தமிழ் மொழிபெயர்ப்பு பயிற்சிப் பட்டறை துவக்க விழா.

KTS - 4.0 யின் ஒரு பகுதியாக இன்று இந்தி - தமிழ் மொழிபெயர்ப்பு பயிற்சிப் பட்டறையின் துவக்க விழா நடைபெற்றது.

இந்நிகழ்ச்சியில், முதலாவதாக பேசிய திருமதி சர்மா அவர்கள், மொழிபெயர்ப்பின் முக்கியத்துவத்தையும் அதன் தேவையைக் குறித்தும், கலாச்சாரப் பகிர்விற்கு மொழிபெயர்ப்பு எவ்வாறு பயன்படுகிறது என்று விவரித்தார். அடுத்ததாக பேசிய திருமதி ஜெயந்தி முரளி அவர்கள், தமிழ்மொழியின் பழமை மற்றும் செம்மைத்தன்மையைக் குறித்து விவரித்தார். இறுதியாக முனைவர் ஜெகதீசன் அவர்கள், என். பி. டி இந்தியாவின் சிறுவர் இலக்கிய மொழிபெயர்ப்பு செயல்பாடுகளைப் பாராட்டி நன்றி தெரிவித்தும் இதற்கு அடுத்த கட்டமாக புதினம் மற்றும் சிறுகதை மொழிபெயர்ப்புகளை முன்னெடுத்துச் செல்ல வேண்டும் என்ற கோரிக்கையையும் முன்வைத்தார். இப்பயிற்சிப் பட்டறையில் 17 மொழிபெயர்ப்பாளர்கள் பங்கெடுத்து கொண்டனர். KTS 3.0 யில் நடந்த மொழிபெயர்ப்புப் பயிற்சி பட்டறையில் பங்கெடுத்த மொழிபெயர்ப்பாளர்கள் தங்களின் அனுபவங்களைப் பகிர்ந்து கொண்டனர்.



A soulful performance of Bharatanatyam

The cultural splendor of Kashi Tamil Sangamam 4 rises once more at Namo Ghat, where music, rhythm, and timeless dance breathe as one - carrying the shared heartbeat of Tamil Nadu and Kashi across the sacred river breeze.

From soulful folk melodies and the divine grace of Bharatanatyam to the vibrant pulse of Kargam, Kaliyattam, each performance is a tribute to our living heritage, a celebration of artistry, and a gentle reminder of the unity that binds our cultures.





नमो घाट पर तीसरे दिन बच्चों के लिए क्विज, ओरिंटेशन और सरदार पटेल पर आधारित कठपुतली शो का आयोजन

काशी तमिल संगमम् 4.0 के तहत नमो घाट पर तीसरे दिन नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) द्वारा बच्चों के लिए ज्ञान, रचनात्मकता और मनोरंजन से परिपूर्ण विशेष गतिविधियों का आयोजन किया गया। वाराणसी के विभिन्न स्कूलों के 600 से अधिक छात्रों की सक्रिय सहभागिता ने इस दिन को अत्यंत उत्साहपूर्ण और ज्ञानवर्धक बनाया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सरदार वल्लभभाई पटेल की जीवनी पर आधारित प्रेरक कठपुतली शो रहा, जिसे उनकी 150वीं जयंती की स्मृति में प्रस्तुत किया गया। क्रिएटिव पपेट थिएटर ट्रस्ट, वाराणसी द्वारा प्रस्तुत इस शो का नेतृत्व एनबीटी के श्री मणि भूषण ने किया। बाल विद्यालय (143 छात्र), देहरादून स्कूल वाराणसी (46 छात्र) तथा त्रिवंडी देव वेद पाठशाला (30 छात्र) सहित अनेक स्कूलों के बच्चों ने इस प्रस्तुति के माध्यम से लौहपुरुष के संघर्ष, समर्पण और राष्ट्रीय एकता में उनके योगदान को समझा।





भरतनाट्यम की हुई भावमय प्रस्तुति

काशी तमिल संगमम् 4 की सांस्कृतिक शाम एक बार फिर नमो घाट पर उभरी, जहाँ संगीत, लय और हमेशा रहने वाला नृत्य एक साथ मिलकर तमिलनाडु और काशी की धड़कन को पवित्र नदी की हवा में ले जाते हैं।

भरतनाट्यम की दिल को छू लेने वाली लोक धुनों और दिव्य कृपा से लेकर करगम, कलियाट्टम की जीवंत धड़कन तक, हर हर प्रस्तुति हमारी जीवित विरासत को एक श्रद्धांजलि है, कला का जश्न है, और हमारी संस्कृतियों को जोड़ने वाली एकता की एक विशिष्ट संस्कृति की याद दिलाती है।



काशी तमिल संगमम् में आए द्वितीय समूह ने काशी विश्वनाथ मंदिर के किए दर्शन-पूजन, अन्नक्षेत्र में ग्रहण किया श्री विश्वेश्वर का प्रसाद



काशी तमिल संगमम् के द्वितीय समूह के आगमन पर काशी विश्वनाथ मंदिर के अधिकारियों ने परंपरागत गरिमा के साथ सभी अतिथियों का पुष्पवर्षा और डमरू-वादन की ध्वनि से स्वागत किया गया जिससे सभी सदस्यों ने काशी की समृद्ध आध्यात्मिक धारा का अनुभव किया। सदस्यों ने बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए और दर्शन के पश्चात मंदिर प्रशासन द्वारा समूह को काशी विश्वनाथ धाम के भव्य कॉरिडोर का विस्तृत भ्रमण करवाया गया। भ्रमण के दौरान सभी ने धाम के ऐतिहासिक स्वरूप, स्थापत्य कला, नवनिर्मित सुविधाओं और निरंतर बढ़ती श्रद्धा-धारा के बारे में जानकारी प्राप्त की। भ्रमण पूर्ण होने पर सभी अतिथियों के लिए मंदिर द्वारा संचालित अन्नक्षेत्र में दोपहर के भोजन की व्यवस्था की गई। अन्नक्षेत्र में परोसे गए प्रसाद ने सभी को काशी की सेवा-परंपरा और अतिथि-भावना का गहरा अनुभव कराया। काशी तमिल संगमम् के इस द्वितीय समूह का दर्शन और भ्रमण दोनों समुदायों के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक संबंधों को और सुदृढ़ करने वाला सिद्ध हुआ। यह दिवस काशी और तमिल परंपराओं के संगम का महत्वपूर्ण प्रतीक बनकर स्मरणीय रहेगा।



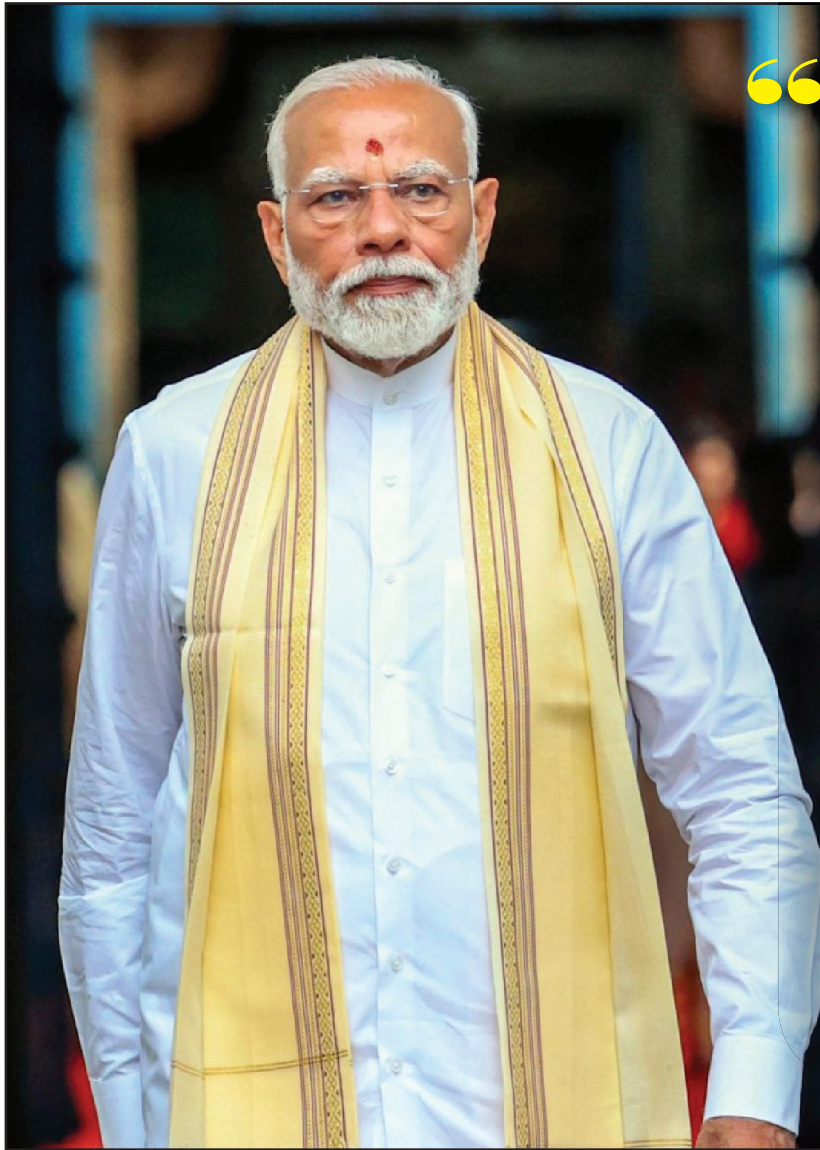
नमो घाट पर काशी की काष्ठ-कला की अनूठी छटा

‘एक भारत, श्रेष्ठ भारत’ की भावना को साकार करते हुए काशी तमिल संगमम् 4.0 इस समय नमो घाट पर अपनी सांस्कृतिक भव्यता के साथ गतिशील है, जहाँ उत्तर भारत की प्राचीन परंपराएँ और तमिल संस्कृति का गहन संबंध जीवंत रूप में प्रकट हो रहा है। ‘तमिल करकलाम’ तमिल सीखें पर आधारित यह आयोजन सांस्कृतिक संवाद, ज्ञान-परंपरा और कला विरासत के संरक्षण का संदेश लेकर चल रहा है। डीसी हैंडीक्राफ्ट्स की काष्ठ-कला न केवल भारत में प्रिय है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुकी है। उनकी उत्कृष्ट कृति ‘राज गद्दी-राम दरबार’ को वर्ष 2022 के G7 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत के प्रधानमंत्री द्वारा इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोदो को भेंट किया जाना वाराणसी की कला परंपरा के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। नमो घाट पर काशी तमिल संगमम् 4.0 में डीसी हैंडीक्राफ्ट्स का स्टॉल केवल एक व्यावसायिक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि भारतीय परंपरा, कारीगरी, धैर्य और सांस्कृतिक गौरव का सजीव मंच है। परिश्रम, परंपरा और सही दिशा मिलती है तो स्थानीय कला न केवल राष्ट्रीय पहचान बनती है, बल्कि वैश्विक मंचों पर भी चमकती है। वास्तव में काशी तमिल संगमम् की उस भावना को मूर्त रूप देता है, जिसका उद्देश्य भारत की विविधता को एकसूत्र में पिरोना और उसकी सांस्कृतिक जड़ों को नई पीढ़ियों तक पहुँचाना है।



खबर स्टॉल क्रमांक 62 से

यह स्टॉल सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग मंत्रालय द्वारा संचालित है। यहाँ दीपांजली कंपनी का मिक्स आचार, आंवला मुरब्बा, आंवला सिरका और आंवला बर्फी बिक्री के लिए उपलब्ध है। दुकान सुबह 10 बजे से रात 9 बजे तक खुली रहती है। आंवला स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभदायक है। यह विटामिन-सी से भरपूर है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है, पाचन तंत्र को मजबूत करता है और त्वचा व बालों के लिए उत्तम है। इसका नियमित सेवन स्वास्थ्यवर्धक है।



“**Kashi Tamil Sangamam** is a true celebration of the spirit of **Ek Bharat Shrestha Bharat** and Beautiful **Tamil Language and Culture**”

Shri Narendra Modi
Hon'ble Prime Minister



समय

Kashi Tamil Sangamam 4.0

Namo Ghat, Varanasi | December 2025

बाल गतिविधियाँ

गतिविधि एवं विशेषज्ञ

5 Dec 2025 (Friday)

10:00 am to 11:00 am

11:15 am to 12:15 pm

12:15 pm to 12:35 pm

चलो, योग करें! by Asish Tandon

आओ, पुस्तक का कवर डिज़ाइन करें by NCCL

Orientation on Rashtriya e-Pustakalaya by Team ReP



कक्षा



1 to 8

6 to 12

6 to 12